अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 ह्रदसे की कड़ियां...
6 तिलक वर्मा तो छा गए...
7 मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वायदा निभाया-नसरुल्लागंज का नाम हुआ भैरूंदा...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-13 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 04 अप्रैल से 10 अप्रैल 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

चीन की चालबाजी...

अरुणाचल के 11 जगहों के नाम बदल फिर ठोका दावा

भारत पहले भी अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने के चीन के कदम को खारिज कर चुका है. भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा. अरुणाचल प्रदेश के नाम बदल देने से तथ्य नहीं बदलेगा.

चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को पुख्ता करने के मद्देनजर नया हथकंडा अपनाया है. उन्होंने तीन भाषाओं चीनी, तिब्बती और पिनयिन में अरुणाचल प्रदेश के नामों की तीसरी लिस्ट जारी की है. , चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों के नामों की लिस्ट जारी की. इन 11 स्थानों में दो भूमि क्षेत्र, दो रिहायशी इलाके, पांच पर्वती चोटियां और दो नदियां शामिल हैं.

नाम बदलने से तथ्य नहीं बदलता

भारत पहले भी अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने के चीन के कदम को खारिज कर चुका है. भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा. अरुणाचल प्रदेश के नाम बदल देने से तथ्य नहीं बदलेगा.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने दिसंबर 2021 में कहा था कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश में इस तरह से स्थानों के नाम बदलने का प्रयास किया है.

उन्होंने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है और रहेगा. अरुणाचल प्रदेश में स्थानों को गढ़े गए नाम देने से यह तथ्य नहीं बदल जाता.

पहली लिस्ट 2017 में जारी हुई थी

यह नामों की तीसरी लिस्ट है. इससे पहले 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के मानकीकृत नामों की पहली लिस्ट जारी की गई थी. 2017 में दलाई लामा के अरुणाचल प्रदेश दौरे के कुछ दिन बाद ही चीन ने पहली लिस्ट जारी की थी. चीन ने दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा की काफी आलोचना की थी. इसके बाद 2021 में चीन ने अरुणाचल के 15 स्थानों की दूसरी लिस्ट जारी की थी.

चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी एक्सपर्ट्स के हवाले से रिपोर्ट में बताया कि अरुणाचल प्रदेश के नामों का ऐलान एक वैध कदम है. यह भौगोलिक नामों को मानकीकृत करने का चीन का संप्रभु अधिकार है.

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की अरुणाचल प्रदेश की यात्रा के बाद 2017 में चीन द्वारा नामों की पहली सूची की घोषणा की गई थी. चीन ने उनकी यात्रा की काफी आलोचना की थी.

अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन के साथ लंबे समय से सीमा विवाद है. भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश की करीब 90 हजार वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीन अपना दावा करता है. जबकि, भारत की ओर से साफ किया जा चुका है कि अरुणाचल भारत का अटूट हिस्सा है और रहेगा. उसके बावजूद चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आता.

बंगाल के रिशरा में फिर भड़की हिंसा, रेलवे स्टेशन के बाहर पथराव, ट्रेनों का संचालन बंद

बंगाल के रिशरा में सोमवार देर रात कुछ लोगों द्वारा पथराव किया गया. बताया जा रहा है कि रिशरा रेलवे स्टेशन के गेट नंबर 4 के सामने पत्थरबाजी हुई, जिसके चलते रेलवे विभाग ने हावड़ा बर्धमान मेन लाइन पर ट्रेनों का संचालन रोक दिया है. इसके चलते हावड़ा स्टेशन पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

पश्चिम बंगाल के हुगली शहर में एक बार फिर हिंसा का मामला सामने आया है. जहां रिशरा में कुछ लोगों द्वारा पत्थरबाजी की गई है. जिसके बाद रेलवे स्टेशन को बंद कर दिया गया है और इस रूट पर ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया है. इसके चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. मौके पर भारी पुलिस फोर्स मौके पर तैनात कर दिया गया है.

दरअसल, सोमवार देर रात रिशरा में कुछ लोगों द्वारा पथराव किया गया है. बताया जा रहा है कि रिशरा रेलवे स्टेशन के गेट नंबर 4 के सामने पत्थरबाजी हुई, जिसके चलते रेलवे विभाग ने हावड़ा बर्धमान मेन लाइन पर ट्रेनों का संचालन रोक दिया है. इसके चलते हावड़ा स्टेशन पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. वहीं सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा और स्थिति को काबू में किया है. फिलहाल विवाद और हिंसा के उद्देश्य का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

रेलवे सूत्रों ने बताया कि ट्रेन की आवाजाही सामान्य करने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं, लेकिन अभी कोई ट्रेन नहीं चल रही है. ये कदम यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है. पुलिस हिंसा करने वाले लोगों की तलाश में जुटी है.

रामनवमी पर जुलूस से दिक्कत नहीं, लेकिन बंदूक-बम लेकर रैलियां न करें, हिंसा के बाद बोलीं ममता बनर्जी

बंगाल में हिंसा के बाद ममता बनर्जी का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि हमें रामनवमी पर शोभायात्रा के जुलूस के कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन बंदूक और बम लेकर रैलियां न करें. इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंसा में जिन लोगों की संपत्ति का नुकसान हुआ है, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा.

पश्चिम बंगाल के हावड़ा और हुगली में रामनवमी पर जुलूस के दौरान हुई हिंसा पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान सामने आया है. ममता बनर्जी ने कहा है कि रामनवमी पर जुलूस निकालने से हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन बंदूक और बम लेकर रैलियां न करें.

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने सवाल पूछते हुए कहा कि जब शोभा यात्रा के लिए कई रूट्स हैं तो फिर अल्पसंख्यकों के इलाके में इसे क्यों निकाला गया. कल रिशरा क्षेत्र में भी कुछ ऐसा ही हुआ. रमजान सीजन में ये पहले से तय किया गया था. यह जानबूझकर किया गया था. अब रमजान और आने वाली हनुमान जयंती को किसी तरह की हिंसा नहीं होनी चाहिए. बीजेपी नेता राज्य को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे हैं. हिंसा में जिन लोगों की संपत्ति का नुकसान हुआ है, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा.

10 अप्रैल, 13 अप्रैल और 3 मई... राहुल की अर्जी और तीन तारीखों का पूरा गणित

राहुल गांधी की ओर से सूरत कोर्ट में एक मुख्य याचिका और 2 आवेदन किए गए. राहुल की मुख्य याचिका में निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई है. वहीं अन्य दो अर्जियों में से पहली अर्जी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की थी, वहीं दूसरी अर्जी सजा पर स्टे लगाने से जुड़ी थी. आइए आपको बताते हैं कि आज सूरत कोर्ट में क्या हुआ?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज सूरत की सेशंस कोर्ट पहुंचे. राहुल गांधी की ओर से सूरत कोर्ट में एक मुख्य याचिका दाखिल की गई और दो आवेदन किए गए. राहुल की मुख्य याचिका में निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई है. वहीं राहुल गांधी की ओर से सूरत कोर्ट में 2 अर्जियां भी लगाई गईं. इनमें से पहली अर्जी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की थी, वहीं दूसरी अर्जी सजा पर स्टे लगाने से जुड़ी थी.

राहुल की ओर से सजा पर स्टे लगाने की मांग वाली अपील को स्वीकारते हुए अदालत ने राहुल गांधी को अंतरिम जमानत दी है और कहा है कि राहुल की यह जमानत तब तक रहेगी जब तक उनकी अर्जी पर कोई फैसला नही आ जाता ।

सम्पादकीय

हादसे की कड़ियां

व्यवस्था की कमियों की वजह से नाहक ही लोगों की जान चली जाती है।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि किसी धार्मिक आयोजन या सामूहिक रूप से मनाए जाने वाले उत्सव में लोग अपनी आस्था को अभिव्यक्त करने या शामिल होने जाते हैं और वहां महज व्यवस्थागत लापरवाही की वजह से कइयों की जान चली जाती है। मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले हफ्ते श्री बालेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में रामनवमी के दिन एक पुरानी बावड़ी की छत धंसने से कई लोग उसमें गिर गए और उनमें से छत्तीस की जान चली गई।

इस घटना को किसी हादसे की श्रेणी में ही रख कर देखा जाएगा, लेकिन इससे संबंधित जिस तरह के ब्योरे सामने आए हैं, उससे साफ है कि यह बहुस्तरीय और आपराधिक लापरवाही का मामला है। इसके मुताबिक, मंदिर के प्रबंधन से जुड़े लोगों और समूह की ओर से जानबूझ कर जिस तरह के अवैध निर्माण किए गए और उसके जोखिम की आशंका होने के बावजूद प्रशासन जिस तरह सिर्फ मौखिक हिदायत की औपचारिकता तक सिमटा रहा, वह हादसे के लिए जिम्मेदार कारकों को समझने के लिए काफी है।

सवाल है कि मंदिर प्रबंधन और आयोजकों को बावड़ी को ढक कर बनाई गई जगह के बारे में मालूम होने बावजूद उस पर ज्यादा लोगों को जमा होने से रोकना जरूरी क्यों नहीं लगा! सिर्फ इतने भर से फिलहाल इस त्रासद हादसे से बचा जा सकता था। गौरतलब है कि जिस मंदिर में यह घटना हुई, उसके विस्तार के क्रम में वहां स्थित बावड़ी को सुरक्षित तरीके से ढकने या भरने के बजाय उसके ऊपर सिर्फ गर्डर और फर्शियां डाल कर टाइलें लगवा दी गईं।

जबकि उसके नीचे करीब साठ फुट जमीन खोखली थी और उस पर रोज लोग दर्शन के लिए खड़े होते थे। उसी जगह पर मेले के मौके पर ज्यादा लोग जमा हो गए और वह ढकी हुई जगह धंस गई। इसमें जो लोग गिरे होंगे, उनमें से कुछ बचना ही अपने आप में आश्चर्य की बात है। लेकिन इस हादसे में जिन छत्तीस लोगों की मौत हो गई, वे निश्चित रूप से मंदिर प्रबंधन और वहां उत्सव का आयोजन करने वालों की लापरवाही और शासकीय उदासीनता के शिकार हुए।

यह समझना मुश्किल है कि नगर निगम की ओर से बावड़ी को ढकने के तरीके को अवैध मानने के बावजूद संबंधित निकायों को कोई ठोस कार्रवाई करना जरूरी क्यों नहीं लगा! यह भी कहा जा रहा है कि वक्त पर कार्रवाई नहीं हो पाने के पीछे एक स्थानीय नेता और राजनीतिक दबाव भी कारण था। अगर इस तरह के आरोप सही है तो यह शासकीय स्तर पर बरती गई गंभीर कोताही का एक और बड़ा उदाहरण है, जिसके नतीजे में इतने लोगों को जान गंवानी पड़ी।

ऐसी शिकायतें आम हैं कि किसी पर्व-त्योहार के मौके पर अपेक्षा से ज्यादा भीड़ के जमा होने की संभावना के बावजूद आयोजक इसका इंतजाम नहीं करते हैं कि वहां पहुंचे लोग समारोह में सुविधाजनक तरीके से शामिल हों और सुरक्षित लौट जाएं। कई बार ऐसा लगता है कि भारी संख्या में लोगों के पहुंचने और वहां घनघोर अव्यवस्था के बावजूद कोई हादसा नहीं होता है तो यह महज संयोग ही है।

सिर्फ व्यवस्था की कमियों की वजह से नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। इस तरह की आपराधिक लापरवाही न केवल आयोजकों की ओर बरती जाती है, बल्कि सरकार या प्रशासन की ओर से भी धार्मिक जमावड़े के दौरान इस मसले पर उदासीन रवैया बदस्तूर कायम रखा जाता है। ज्यादा अफसोसनाक यह है कि देश भर में धार्मिक मेलों या उत्सवों के आयोजन के दौरान भीड़ के जमावड़े, भगदड़ या हादसों की लगातार घटनाओं के उदाहरण सामने आते रहने के बावजूद कोई सबक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती।

संपादक-
गोपाल गावंडे

बदलता मौसम, सूखती जलधाराएं

गंगा और ब्रह्मपुत्र समेत एशिया की दस नदियों का उद्गम हिमालय की तलहटी है। जिस तरह मौसम करवट बदल रहा है, उसका असर अब पूरी दुनिया पर दिखाई देने लगा है। भविष्य में इसका सबसे ज्यादा बुरा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा। एशिया में गरम दिन बढ़ सकते हैं या फिर सर्दी के दिनों की संख्या बढ़ सकती है। एकाएक भारी बारिश या फिर अचानक बादल फटने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तरह के तापमान में खासा परिवर्तन देखने में आ सकता है।

अमेरिका के न्यूयार्क में पांच दशक बाद जल सम्मेलन संपन्न हुआ। उसमें हिमालय से निकलने वाली गंगा समेत दस प्रमुख नदियों के भविष्य में सूख जाने को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आगाह किया कि आने वाले दशकों में जलवायु संकट के कारण हिमनदों का आकार घटने से भारत की सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां सूख सकती हैं।

हिमनद पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक हैं। दुनिया के दस प्रतिशत हिस्से में हिमनद हैं, जो दुनिया के लिए शुद्ध जल का बड़ा स्रोत हैं। यह चिंता इसलिए है कि मानवीय गतिविधियां पृथ्वी के तापमान को खतरनाक स्तर तक ले जा रही हैं, जो हिमनदों के निरंतर पिघलने का कारण बन रहे हैं। इस आयोजन में जारी रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक जल संकट से प्रभावित होने वाले देशों में भारत प्रमुख होगा।

गंगा और ब्रह्मपुत्र समेत एशिया की दस नदियों का उद्गम हिमालय की तलहटी है। उनमें झेलम, चिनाब, ब्यास, रावी और यमुना भी शामिल हैं। ये सभी नदियां 2250 किलोमीटर जलग्रहण क्षेत्र में बहती हैं। ये अपने जलग्रहण क्षेत्र में 1.3 अरब लोगों को ताजा पानी उपलब्ध कराती हैं, जिनमें उत्तर भारत की बड़ी आबादी शामिल है। पानी की समस्या से प्रभावित लोगों में से अस्सी प्रतिशत एशिया में हैं। यह समस्या भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन में सबसे ज्यादा है।

विडंबना है कि जहां पानी की उपलब्धता घट रही है, वहीं पानी की खपत बढ़ रही है। सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी प्रणाली का जलग्रहण क्षेत्र कुल नदी जलग्रहण क्षेत्र का 43 प्रतिशत है। जाहिर है कि इनमें पानी कम होने से देश में बड़ा जल संकट पैदा हो सकता है। इसलिए कि भारत में दुनिया की 17.74 प्रतिशत आबादी है, जबकि उसके पास ताजा पानी के स्रोत केवल 4.5 प्रतिशत हैं। इसलिए कालांतर में नदियों सूखने का संकेत चिंताजनक है।

हिमालयी नदियों के सूखने की चेतावनी इसलिए सच लगती है, क्योंकि कनाडा की स्लिम्स नदी के सूखने का घटनाक्रम और नाटकीय बदलाव एक ठोस सच्चाई के रूप में छह साल पहले सामने आ चुका है। इस घटना को भू-विज्ञानियों ने 'नदी का चोरी चले जाना' कहा था। इसलिए कि यह नदी चार दिन के भीतर ही सूख गई थी। नदी के विलुप्त हो जाने का कारण जलवायु परिवर्तन माना गया था।

तापमान बढ़ा और कास्कावुल्श नामक जिस हिमखंड से इस नदी का उद्गम है, वह तेजी से पिघलने लगा। नतीजतन तीन सौ साल पुरानी स्लिम्स नदी 26 से 29 मई, 2016 के बीच सूख गई। जबकि डेढ़ सौ किमी लंबी इस नदी का जलभराव क्षेत्र डेढ़ सौ मीटर चौड़ा था। आधुनिक इतिहास में इस तरह नदी का सूखना विश्व में पहला मामला था।

जिस तरह स्लिम्स नदी सूख गई, उसी तरह हमारे यहां सरस्वती नदी के विलुप्त होने की कहानी प्राचीन ग्रंथों में दर्ज है। गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान के द्वार खुलने के बाद आई ताजा रिपोर्ट से पता चला है कि जिस हिमखंड से गंगोत्री का उद्गम है, उसका आगे का पचास मीटर व्यास का हिस्सा भागीरथी के मुहाने पर गिरा हुआ है। हालांकि गोमुख पर तापमान कम होने के कारण यह हिमखंड अभी पिघलना शुरू नहीं हुआ है।

यही वह गंगोत्री का गोमुख है, जहां से गंगा निकलती है। 2526 किमी लंबी गंगा देश की सबसे प्रमुख और पवित्र नदियों में से एक है। अनेक राज्यों के करीब चालीस करोड़ लोग इस पर निर्भर हैं। इसे गंगोत्री हिमनद से पानी मिलता है। पर सतासी सालों में तीस किमी लंबे इस हिमखंड का पौने दो किमी हिस्सा पिघल चुका है। भारतीय हिमालय क्षेत्र में 9575 हिमनद हैं, जिनमें से 968 हिमनद सिर्फ उत्तराखंड में हैं। अगर ये हिमनद तेजी से पिघलते हैं, तो भारत, पाकिस्तान और चीन में भयावह बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी तरह अंटार्कटिका में हर साल औसतन डेढ़ सौ अरब टन बर्फ पिघल रही है, जबकि ग्रीनलैंड की बर्फ और तेजी से पिघल रही है। वहां हर साल 270 अरब टन बर्फ पिघलने के आंकड़े दर्ज किए गए हैं। अगर यही हालात बने रहे तो समुद्र में बढ़ता जलस्तर और खारे पानी का नदियों के जलभराव क्षेत्र में प्रवेश इन विशाल डेल्टाओं के बड़े हिस्से को नष्ट कर देगा।

अल्मोड़ा स्थित पंडित गोविंद बल्लभ पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान के वैज्ञानिकों का मानना है कि हिमखंड का जो अगला हिस्सा टूटकर गिरा है, उसमें बदलाव नजर आ रहे हैं। वैज्ञानिक इसका मुख्य कारण चतुरंगी और रक्तवर्ण हिमखंड का गोमुख हिमखंड पर बढ़ता दबाव मान रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार अट्ठाईस किमी लंबा और दो से चार किमी चौड़ा गोमुख हिमखंड तीन अन्य हिमखंडों से घिरा है। इसके दाईं ओर कीर्ति और बाईं और चतुरंगी तथा रक्तवर्णी हिमखंड है।

अभी हिमखंड की जो ताजा तस्वीरें और वीडियो देखने में आए हैं, उनसे पता चलता है कि गोमुख हिमखंड के दाईं ओर का हिस्सा आगे से टूट कर गिर पड़ा है। इसके कारण गाय के मुख (गोमुख) की आकृति वाला हिस्सा दब गया है। इसकी वजह जलवायु परिवर्तन भी हो सकता है। साफ है, इस तरह अगर गंगा के उद्गम स्रोतों के हिमखंडों के टूटने का सिलसिला बना रहता है, तो कालांतर में गंगा की अविरलता प्रभावित होगी और उसकी विलुप्ति का खतरा बढ़ता जाएगा।

गंगा का संकट टूटते हिमखंड ही नहीं, औद्योगिक विकास की वजह से भी है। कानपुर में गंगा के लिए चमड़ा, जूट और बोतलबंद पानी के कारखाने संकट बने हुए हैं। टिहरी बांध बना तो सिंचाई परियोजना के लिए था, लेकिन इसका पानी दिल्ली जैसे महानगरों में पेयजल आपूर्ति के लिए कंपनियों को दिया जा रहा है।

गंगा के जलभराव क्षेत्र में पेप्सी और कोक जैसी निजी कंपनियां बोतलबंद पानी के लिए बड़े-बड़े नलकूपों से पानी खींच कर एक ओर तो मोटा मुनाफा कमा रही हैं, वहीं खेतों में खड़ी फसल सुखाने का काम कर रही हैं। दो ताप बिजली घर यमुना नदी से सत्तानबे लाख लीटर पानी प्रति घंटा खींच रहे हैं। इससे जहां दिल्ली में यमुना पार इलाके के दस लाख लोगों का जीवन प्रभावित होने का अंदेशा है, वहीं यमुना का जलभराव क्षेत्र तेजी से छीज रहा है।

ब्रिटिश अर्थशास्त्री ईएफ शूमाकर ने बड़े उद्योगों के बजाय छोटे उद्योग लगाने की तरफ दुनिया का ध्यान खींचा था। उनका सुझाव था कि प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम उपयोग और ज्यादा से ज्यादा उत्पादन होना चाहिए। शूमाकर का मानना था कि प्रकृति की भी प्रदूषण को झेलने की एक सीमा होती है। मगर सत्तर के दशक में उनकी इस चेतावनी का मजाक उड़ाया गया। पर अब जलवायु परिवर्तन पर काम करने वाले सरकारी और गैर-सरकारी संगठन उनकी चेतावनी को स्वीकार कर रहे हैं। जिस तरह मौसम करवट बदल रहा है, उसका असर अब पूरी दुनिया पर दिखाई देने लगा है। भविष्य में इसका सबसे ज्यादा बुरा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा। एशिया में गरम दिन बढ़ सकते हैं या फिर सर्दी के दिनों की संख्या बढ़ सकती है। एकाएक भारी बारिश या फिर अचानक बादल फटने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तरह के तापमान में खासा परिवर्तन देखने में आ सकता है। इसका असर पारिस्थितिकी तंत्र पर तो पड़ेगा ही, मानव समेत तमाम जंतुओं और पेड़-पौधों की जिंदगी पर भी पड़ेगा। लिहाजा, समय रहते चेतने और हिमालय से निकलने वाली दस नदियों के सूखने की चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म.प्र.)

इश्तहार

आवेदक श्री लक्ष्मण सिंह पिता श्री राजाबाबू सिंह, निवासी – कृष्ण बाग कालोनी, वेलोसिटी के पीछे, शिव मंदिर के पास म.न. –726, थाना– खजराना, इंदौर (म.प्र.) (वर्तमान पता– न्यू 12 हरसिद्धी नगर, मालवीय पेट्रोल पम्प के पीछे, इन्दौर) एवं आवेदिका श्यमालता साकेत पिता गेंदलाल साकेत, उम्र – 21 वर्ष निवासी – चरइयां, पो.– धौसड़, तहसील– हनुमना, जिला– रीवा (म.प्र.) के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, आधार कार्ड की छाया प्रति, अंकसूची की छाया प्रति, एवं 100/– रू. चालान की प्रति तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है, जो विचाराधीन है। अतः उक्त विवाह अनुष्ठान के संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो व अपनी लिखित आपत्ति स्वतः अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि 28.04.2023 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

विवाह अधिकारी
जिला रीवा (म.प्र.)

Rn-77656

बाइक सवार बदमाश दो महिलाओं की चेन और मंगलसूत्र ले भागे

इंदौर। पुलिस कमिश्नरी प्रणाली में गुंडे-बदमाशों और लुटेरों पर पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई किए जाने के बाद भी उनमें पुलिस का कोई खौफ नहीं है और वे लगातार वारदातों को अंजाम देते हुए पुलिस को खुली चुनौती देते हैं। कल भी दो थानों की पुलिस ने लूट के मामले दर्ज किए। अन्नपूर्णा और राऊ थाना क्षेत्र में 2 महिलाओं से सोने का मंगलसूत्र और सोने की चेन छीनने की घटना हुई। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात बाइक सवार लुटेरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है।

साई विहार अपार्टमेंट मिश्र नगर निवासी रश्मि पति नीलेश अग्रवाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कल शाम वह किराने का सामान लेने जा रही थी तभी काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश आए और उसके गले से 20 ग्राम सोने की चेन खींचकर फरार हो गए। अन्नपूर्णा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी उमापति रमेश अमेरिया निवासी सांईकृपा कॉलोनी के साथ लूट की घटना हुई । फरियादी उमा ने पुलिस को बताया कि वह सेंट स्कूल के सामने से गुजर रही थी तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और पीछे बैठे बदमाश ने गले में झपट्टा मारा और सोने का मंगलसूत्र और सोने की चेन खींच कर भाग गए।

रंगेहाथ पकड़ाया चोर

एक घर में चोरी करने घुसे बदमाश को लोगों ने रंगेहाथ पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। एमआईजी पुलिस ने बताया कि वारदात श्रीनगर एक्सटेंशन स्थित खुशबू अपार्टमेंट में हुई। मामले में नागेश्वर पिता ललिताशंकर द्विवेदी निवासी मनभावन नगर बंगाली चौराहा की रिपोर्ट पर रोहित उर्फ पार्टर निवासी मालवीय नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। नागेश्वर ने पुलिस को बताया कि मुझे बहन के घर चोरी की सूचना मिली थी। मैं अपनी बहन के घर पहुंचा तो देखा तो मेरी बहन के फ्लेट नं. 202 का ताला टूटा होकर सामान बिखरा हुआ था और लोगो ने चोर को पकड रखा था तथा मेरे बहिन के सामने के फ्लेट क्र. 201 का भी ताला टूटा हुआ था। मैंने उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम रोहित उर्फ पाटर पिता रघु भालसे उम्र 30 साल निवासी 175/02 मालवीय नगर बताया जिसे आसपास के लोगों ने मेरी बहन के फ्लेट का ताला तोडकर घर मे घुसकर चोरी करते हुए रंगे हाथो पकडा। मामले में पुलिस रोहित को गिरफ्तार कर उससे अन्य चोरी की वारदातों का पता लगा रही है।

ईश्वर खेलानी मानव अधिकार संघ के शहर सचिव पद पर नियुक्त

मानव अधिकार संघ के शहर सचिव पद पर ईश्वर खेलानी नियुक्त किया गया है नियुक्ति पर शहर अध्यक्ष जगजीत सिंह गांधी (रिकी), राजा गांधी, मंदीप सिंह, गोलू गांधी ,आकाश परमार, आकाश खींची, करन बेदी, रोमि गांधी, इशू , रितिक बाबा, एवं समस्त साथियो ने बधाई दी।

पवनदीप सिंह मानव अधिकार संघ के शहर सचिव पद पर नियुक्त

मानव अधिकार संघ के शहर सचिव पद पर ईश्वर खेलानी नियुक्त किया गया है नियुक्ति पर शहर अध्यक्ष जगजीत सिंह गांधी (रिकी), राजा गांधी, मंदीप सिंह, गोलू गांधी ,आकाश परमार, आकाश खींची, करन बेदी, रोमि गांधी, इशू , रितिक बाबा, एवं समस्त साथियो ने बधाई दी।

दूल्हे से तलवार छिनकर कर दिया हमला

इंदौर। एक युवक पर विवाद के चलते दूसरे युवक ने दूल्हे से तलवार छिनकर हमला कर दिया। इस दौरान उसका दोस्त बीच बचाव के लिए आया तो उसे भी घायल कर दिया।

लसूडिया पुलिस के अनुार कुलदीप पिता भगवान सिंह वास्कले उम्र 20 साल निवासी आकाशवाणी के सामने पाल झुग्गी झोपडी एबी रोड की रिपोर्ट पर राहुल निवासी दिलीप नगर बिजासन के पास, सोनू तवर निवासी आकाशवाणी के सामने पाल झुग्गी झोपडी एबी रोड और अरुण के खिलाफ केस दर्ज किया है। घायल कुलदीप ने पुलिस को बताया कि झगड़ा अरंडिया कांकड़ में हुआ। यहां पर आयोजित कार्यक्रम में वह पहुंचा था, जहां राहुल के भांजे को मेरा धक्का लगने से गिरने की बात पर से राहुल अश्लील गालियां देने लगे तो मैने गाली देने से मना किया। इस पर राहुल ने दूल्हे से तलवार ले ली और मुझे मारी जो मेरे सिर मे लगी। मैं चिल्लाया व बीच बचाव किया तो राहुल के दो अन्य साथी सोनू व अरुण आए और पत्थर मारने लगे जो मेरा साथी अजय बघेल बीच बचाव करने आया तो उसे पत्थर सीधे पैर के पंजे मे लगा जिससे उसे चौट आयी है जब हम वहा से जान बचा कर जाने लगे तो वह लोग बोले की आईंदा इधर आये तो जान से खतम कर देंगे। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

युवक को मारा चाकू

इंदौर। डीजे जोर से बजाने की बात को लेकर विवाद हो गया इस पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया।

सांवेर पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र में रहने वाले निवासी श्यामलाल चौहान ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसका बेटा सुनील घर में डीजे बजा रहा था इसी बात को लेकर पड़ोस में रहने वाले प्रमोद उर्फ बन्ना ने विरोध किया और गाली गलौज की उसे गाली देने से मना किया तो प्रमोद और उसके अन्य साथियों ने सुनील पर चाकू से हमला किया और फिर डीजे में तोडफ़ोड़ कर हत्या की धमकी देकर भाग गए ।

कचरा फेंकने को लेकर दो पक्षों में विवाद

इंदौर। कालिंदी गोल्ड सिटी में घर के सामने कचरा फेंकने की बात को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट छेड़छाड़ और तोडफ़ोड़ की घटना हुई।

बाणगंगा पुलिस ने बताया कि 27 वर्षीय महिला ने पुलिस दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि रविवार को कनिष्का सोलंकी ने उसके घर के सामने कचरा फेंक दिया मना किया तो कनिष्का ने झाड़ू से मारपीट की और फिर उसके परिजन आ गए सभी ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की इसी दौरान कनिष्का के पिता जितेंद्र सोलंकी ने बुरी नियत से मुझे पकड़ लिया और अश्लील हरकत की इसी दौरान मेरी मां अंजू बचाने आई तो उसके साथ मारपीट की और उसके कपड़े फाड़ दिए इस दौरान उसके सोने का मंगलसूत्र और कान में पहनी सोने की झुमकी गिर गई। भाई जितेंद्र बचाने आया तो उसके साथ भी मारपीट की गई और मेरी कार के कांच फोड़ दिए। पुलिस ने इस मामले में कनिष्का सोलंकी जितेंद्र सोलंकी अभिनव सोलंकी और निकिता सोलंकी के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष की कनिष्का सोलंकी ने पुलिस को बताया कि आरोपी सोनम त्रिवेदी अपने पालतू कुत्ते से उसके घर के परिसर में गंदगी करा रही थी मैंने मना किया तो सोनम ने मेरा गला पकड़ लिया और बाल पकड़कर मारपीट कि मैं जान बचाकर भागी तो उसकी मां अंजू ,भाई शुभम और बहन श्रुति घर में घुस गए सभी ने मेरे व अन्य परिजन के साथ मारपीट की और धमकी देकर भाग गए।

ई चालान का भुगतान नहीं किया तो पुलिस पहुंचेगी घर

इंदौर। सड़कों पर नियम तोड़कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस सख्त कार्रवाई के मूड में हैं। खासकर ऐसे वाहन चालक जो ई चालान का भुगताान नहीं करते हैं अब उनके घर पुलिस पहुंचेगी और जुर्माना वसूल करेगी।

रविवार को शहर के यातायात को लेकर डीसीपी ट्रैफिक मनीष कुमार अग्रवाल ने यातायात प्रबंधन की टीम की बैठक ली। डीसीपी ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर शहर के यातायात को सुगम, सुरक्षित एवं सुखद बनाने के लिए सभी अधिकारियों को दिशानिर्देश दिए गए। वर्तमान में यातायात प्रबंधन में 6 क्यूआरटी टीमें यातायात प्रबंधन का कार्य कर रही है। सभी क्यूआरटी का नंबर जोन के आधार पर कर, बेहतर यातायात प्रबंधन हेतु प्रत्येक जोन में दो-दो क्यूआरटी टीमें बनाकर प्रत्येक क्यूआरटी में 5-5 अधिकारी, कर्मचारी रहेंगे। एसीपी अपनी-अपनी क्यूआरटी का यातायात के दबाव के आधार पर दो-दो निश्चित नोडल पाईट बनाएंगे जो उनके नेतृत्व में कार्य करेगी। सभी क्यूआरटी टीम अपने साथ पीए सिस्टम रखेंगे। अधिकारी अपने साथ बॉडीवार्म कैमरा रखेंगे।

बैठक में बताया गया कि रेड लाइट उल्लंघन के आरएलवीडी के ई-चालान का समन शुल्क जमा करवाने हेतु जोनवार प्रभारी सूबेदार द्वारा मोबाईल कोर्ट लगाकर व एक दिन पूर्व मीडिया के माध्यम से सूचना जारी कराकर अधिक से अधिक आरएलवीडी के चालानों का भुगतान कराया जाएगा। प्रतिदिन आरएलवीडी के चालान टीएमसी में लगे साफ्टवेयर में जनरेट होते हैं । उल्लंघन करने वालो को 7 दिन का समय चालान भुगतान करने हेतु दिया जाता है, ऐसे व्यक्ति जो ई-चालान का भुगतान नही करते हैं, 7 दिवस पश्चात आरटीओ की वेबसाईट से वाहन नंबर के आधार पर वाहन स्वामी का नाम, पता व मोबाईल नंबर की जानकारी निकाल कर वाहन स्वामी के मूल पते के आस-पास जो यातायात की टीम लगी रहेगी वे सूबेदार ,सब इंस्पेक्टर उनके घरो पर जाकर ई-चालानो के समन शुल्क भुगतान की कार्यवाही करेगें।

इन स्किल्स के बिना अधूरी है हर बच्चे की डेवलपमेंट

माता-पिता कैसे कर सकते है मदद ?

ग्रॉस मोटर स्किल्स

ग्रॉस मोटर स्किल्स वो एक्टिविटी है, जो बच्चे अपनी बाजुओं, टांगों, हाथों या पूरे शरीर के जरिए करते हैं। पैरेंट होने के नाते हम सभी चाहते हैं, कि हमारे बच्चे का विकास अच्छे से हो ताकि उम्र के साथ वह मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत हो सके। ऐसे में ग्रॉस मोटर स्किल्स उसके लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है बच्चों को बाहर खेलने भेजना। कहने का मतलब है कि बच्चों के लिए फिजिकली एक्टिव होना बहुत जरूरी है। अब बच्चे घर के अंदर रहकर टीवी, मोबाइल और लैपटॉप में ज्यादा लिप्त रहने लगे हैं। इन्हें इंडोर जेनरेशन कहा जा रहा है। ऐसे में उनकी ग्रॉस मोटर स्किल्स डेवलप करना जरूरी है। अगर आपका बच्चा भी घर में रहकर शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर हो गया है, तो आप यहां बताई गई कुछ मजेदार एक्टिविटी ट्राय कर सकते हैं।

क्या है ग्रॉस मोटर स्किल

ग्रॉस मोटर स्किल्स का मतलब शरीर की बड़ी मांसपेशियों जैसे हाथ और पैरों का उपयोग करना है। चलना दौड़ना, कूदना, झूलना, ग्रॉस मोटर स्किल्स के विशेष उदाहरण हैं। हालांकि, जो लोग ग्रॉस मोटर स्किल्स में कमजोर होते हैं, उन्हें दौड़ने, कूदने में बहुत परेशानी होती है। ग्रॉस मोटर कौशल फाइन मोटर स्किल्स के लिए सहायक भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए, शिशुओं के ग्रॉस मोटर स्किल से पहले उन्हें बिना किसी सपोर्ट के बैठना आना चाहिए, उन्हें अपने ऊपरी शरीर को सहारा देने के लिए अपनी बाहों और हाथों का उपयोग करना आना चाहिए। जब बच्चा खुद बैठने लगता है, तब उसके हाथ और पैर भी चीजों को पकड़ना शुरू कर देते हैं।

ग्रॉस मोटर स्किल का महत्व

किसी भी प्रकार के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए ग्रॉस मोटर स्किल बहुत मायने रखता है। मूल रूप से आपके सभी दैनिक कार्यों के लिए इसका बहुत महत्व होता है। इतना ही नहीं ग्रॉस मोटर स्किल बच्चों को उनके पर्यावरण के बारे में रूबरू कराने में मदद करते हैं। इन जरूरी लाइफ स्किल्स के बिना बच्चे के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है।

कैसे बढ़ाएं बच्चों में ग्रॉस मोटर स्किल

अपने बच्चे के ग्रॉस मोटर कौशल को मजबूत करने के लिए कूदने, दौड़ने और एक सीध में चलने का खेल खेलें। आपको केवल कमांड देनी है, आपका बच्चा इसका पालन करेगा। इसके अलावा उसे संतुलन बनाना सिखाएं। संतुलन साधने का अभ्यास कराना जरूरी है। इसके लिए बच्चे के सिर पर किताब रखें और उसे सीधी रेखा में चलने के लिए कहें।

डांस करना सिखाएं

अपने पसंदीदा म्यूजिक वीडियो पर डांस करना एक बहुत ही मजेदार मोटर स्किल एक्टिविटी है। इसके अलावा बच्चे को रिश्तों के प्रति जागरूकता सिखानी है।

फर्श पर कुछ तकिए और कुशन रखें। बिना गिरे या टकराए उनके चारों ओर घूमें। यह रिलेशनशिप अवेयरनेस बढ़ाने का शानदार तरीका है। इससे बच्चे जान पाएंगे कि वस्तुओं की तरह रिश्तों के साथ कैसे आगे बढ़ना है।

आप अल्फाबेट योगा की मदद भी ले सकते हैं। अपने बच्चों को झुककर, खींचकर और घुमाकर अक्षरों का अभ्यास करने में मदद करें। अगर आपका बच्चा अकेला है, तो शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने और फैलाने के लिए अल्फाबेट योगा का सहारा ले सकते हैं।

हनुमान जयंती कब है, जानें मुहूर्त, पूजाविधि और महत्व

हनुमान जयंती चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को हर साल धूमधाम से मनाई जाती है। भक्तगण हनुमानजी का व्रत रखते हैं। पूजा करते हैं भोग लगाते हैं और सुंदर कांड का पाठ करते हैं। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन करवाने का विशेष महत्व होता है और ऐसा करने से आपको हनुमानजी का आशीर्वाद मिलता है। हनुमान जयंती यानी कि बजरंग बली का जन्मोत्सव चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस बार हनुमान जयंती 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यताओं के हनुमानजी को रुद्रावतार यानी कि भगवान शिव का अवतार माना जाता है और उनका जन्म चैत्र मास की पूर्णिमा को मंगलवार के दिन हुआ था। इसलिए मंगलवार का दिन बजरंगबली को समर्पित माना जाता है और इस दिन व्रत करने और उनकी पूजा करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। हनुमान जयंती के अवसर पर भी भक्त व्रत करते हैं और विधि विधान से उनकी पूजा करके व्रत को पूर्ण करते हैं। इस दिन देश भर के मंदिरों में जगह-जगह भंडारे आयोजित होते हैं और कई तरह के उपाय और अनुष्ठान करवाए जाते हैं। आइए आपको बताते हैं हनुमान जयंती का महत्व, घर में कैसे करें पूजा और क्या है पूजा का शुभ मुहूर्त।

हनुमान जयंती की तिथि

पंचाग के अनुसार, हनुमान जयंती 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। दरअसल चैत्र पूर्णिमा की तिथि 5 अप्रैल बुधवार को सुबह 9 बजकर 19 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन गुरुवार 6 अप्रैल को 10 बजकर 4 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि की मान्यता के अनुसार हनुमान जयंती 6 अप्रैल को ही मनाई जाएगी और इसी दिन व्रत रखकर बजरंगबली की पूजा की जाएगी।

हनुमान जयंती की पूजा का शुभ मुहूर्त

हनुमान जयंती की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 6 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 6 मिनट से 7 बजकर 40 मिनट तक है। उसके बाद आप दोपहर में 12 बजकर 24 मिनट से 1 बजकर 58 मिनट तक पूजा कर सकते हैं। इसके अलावा शाम को 5 बजकर 7 मिनट से 8 बजकर 7 मिनट तक भी पूजा का शुभ मुहूर्त है।

हनुमान जयंती का महत्व

हनुमान जयंती की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पूजा अर्चना करने वाले को बजरंग बली हर रोग और दोष से दूर रखते हैं और हर प्रकार के संकट से रक्षा करते हैं। जीवन में कष्ट दूर होते है और सुख शांति की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही जिन लोगों पर शनि की अशुभ दशा चल रही है वे यदि हनुमान जयंती पर व्रत रखें तो उनके शनि के दोष दूर होते हैं और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

हनुमान जयंती की पूजा विधि

हनुमानजी की पूजा करने के लिए बजरंगबली को लाल पुष्प, सिंदूर, अक्षत, पान का बीड़ा, मोतीचूर के लड्डू, लाल लंगोट और तुलसी दल अर्पित करें। हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमानजी की फिर आरती करें। हनुमानजी को भोग के रूप में लड्डू, हलवा औा केला चढ़ाएं। इस दिन सुंदर कांड और बजरंग बाण का पाठ करने का भी विशेष महत्व माना जाता है। ऐसा करने से बजरंगबली प्रसन्न होते हैं और हमारे आस-पास से हर प्रकार की नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं।

पांचों ज्ञानेन्द्रियों व छठे मन को सहस्त्रार में विलीन करने की कला सिखाता है सहजयोग

पांचों इन्द्रिय छठामन, सम संगत सूचंत।
कहै कबीर जग क्या करे, सातों गांठ निश्चिंत।
संत कबीर

सब संत कवीयों ने आत्मसाक्षात्कार रूपी मधुर फल को चखा था, इसलिये उस अनुभूति का वर्णन वे सभी इतनी सूक्ष्मता से कर सके। जब साधक को आत्मज्ञान अर्थात् स्वरूपज्ञान होता है तो साधक को जो मधुर अनुभूतियां होती हैं इसका वर्णन करते हुए संत कबीर लिखते हैं, जो साधक अपनी पांचों ज्ञानेन्द्रियों को यानि कि आंख, कान, नाक, जिव्हा तथा त्वचा और छठे मन को सातवें **सहस्त्रार चक्र** पर स्थित करता है, अपनी ज्ञानेन्द्रियों को अंतर्मुखी करने की कला सीखता है, हर दिन के ध्यान योग के अभ्यास साधना में पारंगत होकर मनोजयी बनता है, सांसारिक लोभ, मोह,माया, वासना उसका कुछ भी बिगाड़ नही सकती। इस प्रकार वो मनोजयी अर्थात् मन को जीतने वाला बन जाता है।

प. पू. श्रीमाताजी द्वारा प्रणित सहज योग भी हमें मनोजयी होने की कला सिखाता है। कैसे ? सहजयोग एक स्व के तंत्र को जानने का शास्त्र है, इस योग के माध्यम से हम हमारे सूक्ष्म शरीर को जानते हैं। सहजयोग में जब हमें हमारा स्वरूप साक्षात्कार प्राप्त होता है, तो हमारी पाँचे ज्ञानेन्द्रियां अंतर्मुखी बन जाती हैं। मन एकाग्र हो जाता है और साधक अपनी माँ स्वरुपिनी कुंडलिनी शक्ति का उर्ध्वगमन महसूस कर सकता है। यह कुंडलिनी शक्ति मूलाधार में पृथ्वीतत्व को, स्वाधिष्ठान में अग्नितत्व को, नाभी में जल तत्व को, अनहद में वायुतत्व को विशुद्धि में आकाश और आज्ञा चक्र में मनतत्व को लांघकर सहस्त्रार चक्र में सदाशिव जा मिलती है। जिस अंतरंग अनुभव, का वर्णन हम कर रहे हैं, इसे विश्व के सभी सहजयोगियों ने पाया है।और इस ज्ञान व योग की प्राप्ति के पश्चात् सभी साधक निर्भय, आनंदमय होकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

निर्भय, आनंदमय व मनोजयी होने के लिए अधिक जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं - 1800 2700 800 बेवसाइट? - sahajayoga.org.in यूट्यूब चैनल - लर्निंग सहजयोगा प्रति शनिवार शाम 06:30 बजे।

सहज योग के द्वारा स्वयं को पहचानो! अपने जीवन में अपनाएं और जानें इसके लाभ, पूर्णतः निशुल्क

कोरोना के कहर से पूरा देश अस्त व्यस्त है. लोग जान बचाने को तरह-तरह के जतन कर रहे हैं. लेकिन अभी तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है. कब तक इसका कहर बना रहेगा, कुछ कहना मुश्किल है. इससे पहले लोगों ने विकास के नाम पर पर्यावरण के साथ जो किया, आज उसी का नतीजा है कि हम यहां पहुंच चुके हैं. लॉकडाउन के चलते हवा की शुद्धता बढ़ गई है. प्रदूषण का स्तर बहुत ही नीचे गिर गया है. जिस गंगा का पानी जहरीला हो गया था, आज उसी गंगा का पानी शुद्ध और पवित्र हो गया है. वीरान सड़कें पर चिड़िया और जंगली जानवर विचरण करते नजर आ रहे हैं. ओजोन परत में जो छेद हो गया था, काफी हद तक भर गया है.

परमपूज्य श्री माता जी निर्मला देवी के वचनों को सुनें

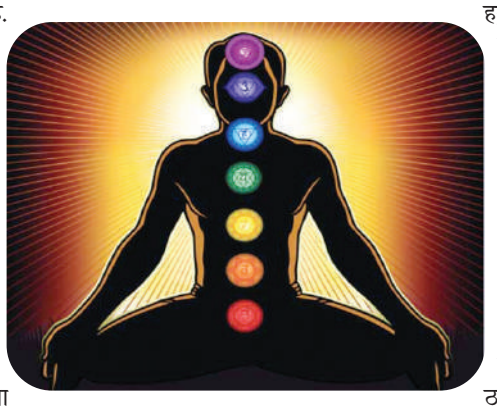

लोग अपने संस्कृति और सभ्यता को भूल गए. पश्चिमी की आंधी में ऐसे उड़ गए कि ना इधर के रहे और ना उधर के. कोरोना से लड़ने के लिए पीएम मोदी समेत आयुष मंत्रालय ने योग के विधि के बारे में बताया है. योग करने से इम्यून सिस्टम काफी मजबूत होता है. रोग को प्रवेश करने से रोकता है. अपने आप को पहचानना के लिए लॉकडाउन से अच्छा अवसर कोई और नहीं हो सकता है. समय है सहज योग के माध्यम से स्वयं को पहचानो. परमपूज्य श्री माता जी निर्मला देवी के वचनों को सुनें और योग के माध्यम से स्वयं को जानो कि हम कौन हैं? कहां आए हैं? क्यों आए हैं? सारे प्रश्नों के जवाब मिल जाएंगे. सहज योग पूरी तरह से निशुल्क है.

सहज योग क्या है?

सहज योग का अर्थ है सह आपके साथ और ज जन्मा हुआ योग से तात्पर्य मिलन या जुड़ना अत- वह तरीका जिससे मनुष्य का सम्बन्ध (योग) परमात्मा से हो सकता है. सहज योग कहलाता है. मानव शरीर में जन्म से ही एक शुक्ष्म तन्त्र अद्रश्य रूप में हमारे अन्दर होता है, जिसे आध्यात्मिक भाषा में सात चक्र और इड़ा, पिंगला, शुशुम्ना नाड़ियों के नाम से जाना जाता है इसके साथ परमात्मा कि एक शक्ति कुण्डलिनी नाम से मानव शरीर में स्थित होती है. यह कुण्डलिनी शक्ति बच्चा जब मां के गर्भ में होता है और जब भ्रूण दो से ढाई महीने (60 से 75 दिन) का होता है तब यह शिशु के तालू भाग में प्रवेश करती है और मस्तिष्क में अपने प्रभाव को सक्रिय करते हुए रीढ़ कि हड्डी में मेरुरज्जु में होकर नीचे उतरती है, जिससे ह्रदय में धडकन शुरू हो जाती है.

आत्मसाक्षात्कार को सहजयोग से प्राप्त किया जा सकता है

इस तरह यह कार्य परमात्मा का एक जिवंत कार्य होता है जिसे डॉक्टर बच्चे में एनर्जी आना बोलते हैं इसके बाद यह शक्ति रीढ़ कि हड्डी के अंतिम छोर तिकोनी हड्डी में जाकर साढ़े तीन कुंडल (लपेटे) में जाकर स्थित हो जाती है इसीलिए इस शक्ति को कुण्डलिनी बोलते हैं यह शक्ति प्रत्येक मानव में सुसावस्था में होती है जो मनुष्य या अवतार इस शक्ति के जागरण का अधिकारी है वह यह कुण्डलिनी शक्ति जागृत करता है जिससे मानव को आत्मसाक्षात्कार मिलता है तब यह कुण्डलिनी शक्ति जागृत हो जाती है और सातों चक्रों से गुजरती हुई सहस्त्रार चक्र पर पहुँचती है तब मानव के सिर के तालू भाग में और हाथों कि हथेलियों में ठण्डी -ठण्डी हवा महसूस होती है जिसे हिन्दू धर्म में परम चैतन्य , इस्लाम में रूहानी,बाइबिल में कूल ब्रीज ऑफ़ द होलिघोस्ट कहा जाता है इस तरह सभी धर्म ग्रंथो में वर्णित आत्मसाक्षात्कार को सहजयोग से प्राप्त किया जा सकता है.

सहज योग करने से लाभ

सहज योग एक आसान पद्धति है जिसे सीख कर हर इन्सान हर जगह व हर कार्य व अपने जीवन में इससे अपने आप को अच्छा कर सकता है व दूसरो की बुराइओ को दूर कर सकता हैं. वह समाज को पतन की तरफ जाते हुए उसे ऊपर उठा सकता है. यह बहुत आसान प्रक्रिया हैं जिसे प्रयोग में लाकर स्वास्थ्य अच्छा रख सकते है व बच्चो की स्मरण शक्ति को बढ़ा सकते हैं, तथा बच्चो को बचपन में चश्मे चढ़े हुए को उतार सकते है, बुजुर्गो को परेशानियो से बचा सकते है. रेप,मर्डर, व स्त्रियो को अपमान से बचा सकते है.

कैसे सहज योग ध्यान पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में लगातार बढ़ते तनाव को संभालने में हमारी मदद कर सकता है

हम एक बेचैन युग में रहते हैं- एक ऐसा युग जहां प्रौद्योगिकी में तेजी से बदलाव मूल्यों के टूटने और हमारे व्यक्तित्व के विखंडन का कारण बन रहा है। इसका परिणाम जबरदस्त मनोवैज्ञानिक गड़बड़ी, तनाव और तनाव है। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के तनाव पर नवीनतम अध्ययन से पता चलता है कि सर्वेक्षण में शामिल 69 प्रतिशत अमेरिकी वयस्कों ने पिछले वर्ष के दौरान तनाव के शारीरिक लक्षणों का अनुभव किया। इसके अतिरिक्त, कार्यस्थल में बढ़ा हुआ तनाव नियोक्ताओं के लिए स्वास्थ्य देखभाल की बढ़ती लागत में योगदान दे रहा है। खुशी हमसे दूर होती दिख रही है और हम लगातार जवाब मांग रहे हैं।

पेशेवर जीवन में तनाव का प्रभाव

व्यक्तिगत स्तर पर - ध्यान केंद्रित करने और नींद की कमी, भावनात्मक गड़बड़ी, मन की शांति की कमी, मोटापा, मधुमेह, धूम्रपान की आदतों में वृद्धि और शराब की बढ़ती लत जैसे रोगों के माध्यम से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

टीम स्तर पर तनाव का प्रभाव - दूसरे के दृष्टिकोण के लिए सराहना की कमी, कम आपसी समझ, कम सहमति और अधिक टकराव, टीम की गतिशीलता को प्रभावित करता है।

संगठनात्मक स्तर पर तनाव का प्रभाव - कम उत्पादकता और अक्षमता, कम कर्मचारी संतुष्टि

सहज योग तनाव को कम करने में कैसे मदद कर सकता है

सहज योग ध्यान हमारे जीवन में आने वाली कई समस्याओं का एक अनूठा समाधान है। सहज योग अन्य योगों से भिन्न है क्योंकि यह एक दूर के लक्ष्य का अप्राप्य सपना होने के बजाय आत्म-साक्षात्कार के साथ शुरू होता है। आत्म बोध को **स्वयं को जानना** के रूप में भी जाना जाता है, इसकी व्याख्या इस प्रकार की जा सकती है - हमारे आंतरिक व्यक्तित्व की बेहतर समझ और बाहरी मांगों के साथ सामंजस्य स्थापित करना। इसे नियमित ध्यान द्वारा और हम सभी के भीतर सूक्ष्म प्रणाली के रूप में मौजूद हमारे अस्तित्व की नींव को जानकर आसानी से सीखा और महारत हासिल किया जा सकता है।

सहज योग भावनात्मक भलाई और आत्म-सुधार में सुधार करके तनाव को पूरी तरह से ठीक करता है ।

सहज की ध्यान अवस्था के दौरान आप जो आंतरिक शांति का अनुभव करते हैं, वह आपकी भावनात्मक लचीलापन को बढ़ाता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि आप अभी और लंबे समय तक तनावपूर्ण जीवन की घटनाओं का प्रभावी ढंग से सामना कर सकते हैं।

सहज योग संतुलन और कल्याण की भावना को बहाल करने और आत्म-सम्मान में सुधार करने में मदद करता है। यह ऊर्जा को भी पुनर्जीवित करता है, आशावाद, शांति और संतोष को पुनर्स्थापित करता है । आप जिज्ञासा, खुलेपन और स्वीकृति के साथ अपने ध्यान को स्व-विनियमित करने और वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता विकसित करेंगे।

आप पाएंगे कि आप अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं का निरीक्षण और निगरानी करने में सक्षम हैं जैसे वे हो रहे हैं । परिणाम आत्म-जागरूकता, अंतर्ज्ञान और आत्मनिरीक्षण में वृद्धि हुई है।

आपके संचार कौशल में सुधार होता है और स्वयं और दूसरों दोनों के लिए आपकी करुणा और सहानुभूति बढ़ जाती है। आप अपने स्वयं के मन के साथ-साथ दूसरों के मन के भीतर ऊर्जा और सूचना के प्रवाह दोनों के अभ्यस्त हो जाते हैं। आपके समग्र व्यक्तित्व में सुधार होता है। आपके संबंधों में सुधार होता है। रचनात्मकता, फोकस, उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है ।

सहज योग में ध्यान का निरंतर अभ्यास आपको अपनी भावनाओं को स्व-विनियमित करने और जीवन के तनावों का प्रतिसाद देने के बजाय प्रतिक्रियात्मक रूप से जवाब देने में मदद करके भावनात्मक स्थिरता को बढ़ाता है ।

वर्तमान-केंद्रित जागरूकता जो ध्यान से उत्पन्न होती है, आपको नकारात्मक विचारों और भावनाओं को प्रबंधित करने और क्रोध, भय, चिंता और कम आत्म-मूल्य की भावनाओं जैसे आत्म-हानिकारक भावनाओं को नियंत्रित करने में मदद करती है। आप अपनी गलतियोंके बारे में केवल दोषी महसूस करने के बजाय, अपनी समस्याओं का सामना करने और हल करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं।

ध्यान - विचारहीन जागरूकता की स्थिति

सहज योग ध्यान की संस्थापक श्री माताजी निर्मला देवी के शब्दों में - निर्विचार जागरूकता का सही अर्थ इस प्रकार है -

कुछ लोग समझते हैं कि वास्तविक ध्यान क्या है। कुछ इसे मानसिक एकाग्रता के रूप में मानते हैं, अन्य शांतिपूर्ण सेटिंग्स की कल्पना के रूप में। सच्चाई यह है कि ध्यान मौन, शांति और संतुष्टि की स्थिति है जिसे मन का उपयोग करके प्राप्त नहीं किया जा सकता है, बल्कि इसके द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। हमारे भीतर ऊर्जा का संतुलन।

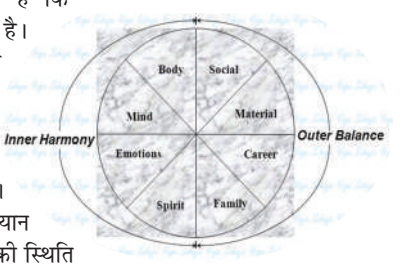

हमारे दिमाग में एक विचार एक लहर की तरह उठता है और फिर दूसरा विचार उठता है। ये विचार उठते और गिरते हैं, लेकिन वे केवल अतीत और भविष्य से आए हैं। विचारों के बीच एक बहुत छोटा सा स्थान होता है, जो बाहर फैलता है और पूर्ण मौन की स्थिति निर्मित होती है। फिर, हम वर्तमान में होते हैं, लेकिन बिना किसी विचार के, बिना किसी चिंता के, बिना किसी क्रोध के और हम वर्तमान में खड़े होते हैं, जो कि वास्तविकता है ।

वास्तविकता वर्तमान में है क्योंकि अतीत नहीं है और भविष्य मौजूद नहीं है। जब हम ध्यान में होते हैं या दूसरे शब्दों में वर्तमान की स्थिति में होते हैं - हम बिल्कुल शांत और शांत हो जाते हैं। इसी तरह हम आंतरिक शांति प्राप्त करते हैं।

जब हम वास्तविकता की स्थिति में होते हैं , तो अतीत की कोई चिंता या भविष्य की चिंता नहीं होती है। उदाहरण के लिए- जब हम पानी में खड़े होते हैं और अपने चारों ओर लहरें उठती देखते हैं, तो हम डर जाते हैं। लेकिन एक बार जब हम एक नाव में हम लहरों को उठते हुए देखते हैं और हम उन भयानक लहरों के साक्षी बनते हैं। इसके विपरीत हम उनका आनंद ले सकते हैं। इसी तरह जब हम वर्तमान या वास्तविकता की स्थिति में उठते हैं, तो हम अपने चारों ओर की सभी समस्याओं को देखते हैं । और उन्हें देखें। हम एक अलग तरीके से अपनी सभी समस्याओं के साक्षी बनते हैं। एक बार जब हम खुद को समस्याओं से बाहर देख लेते हैं, तो हम समाधानों को बेहतर तरीके से जानते हैं और उनका समाधान कर सकते हैं।

सहज ध्यान सहज है और अनायास ही व्यक्ति को विचारहीन बना देता है - ध्यान की वास्तविक स्थिति। अतीत और भविष्य के विचार रुक जाते हैं और व्यक्ति वर्तमान के आनंद का आनंद लेता है।

तिलक वर्मा तो छा गए

तिलक वर्मा ने जैसी पारी खेली, निश्चित तौर पर वह नेशनल सेल्कटरों के ज़हन से जरूर चिपक गयी होगी.

नई दिल्ली– इंडियन प्रीमियर लीग (IPL 2023) में रविवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB vs MI) के बीच खेल गए मुकाबले में बीस साल के तिलक वर्मा (Tilak Verma) ने संकट के समय बेहतरीन पारी खेलकर सेलेक्टरों को मैसेज दे दिया कि एक और भविष्य का सुपरस्टार बल्लेबाज टीम इंडिया के लिए तैयार हो गया है. आरसीबी से न्यौता पाकर पहले बैटिंग करने वाली मुंबई इंडियंस के सुपर स्टार रोहित शर्मा (1), ईशान किशन (10) और ग्रीन (5) सस्ते में आउट हुए, तो मुंबई का स्कोर 4 विकेट पर 48 रन हो गया. और जब मुंबई इंडियंस पर काले अंधेरे बादल छा गए थे, तो यहीं से तिलक वर्मा (नाबाद 84 रन, 46 गेंद, 9 चौके, 4 छक्के) रूपी सूरज का उदय हुआ, जिसने मुंबई के मैनेजमेंट सहित उसके करोड़ों चाहने वालों को बाग-बाग कर दिया.

विकटे गिरते रहे, लेकिन एक छोर पर तिलक वर्मा के एक से बढ़कर एक शॉट के दर्शन होते रहे, लेकिन पारी की आखिरी गेंद पर जैसा हेलीकॉप्टर शॉट उन्होंने खेला, उसने दिग्गजों सहित फैंस को उनकी सीट से खड़ा कर दिया. तिलक वर्मा का यह शॉट जमकर वायरल हो रहा है और प्रशसंक इसे बार-बार देख रहे हैं, सराहना कर रहे हैं. ये फैंस बातें कर रहे हैं कि एमएस धोनी के बाद ऐसा लेफ्टी बल्लेबाज मिल गया है, जिसने अभी से ही हेलीकॉप्टर शॉट पर मास्टरी हासिल कर ली है.

IPL 2023- राजस्थान टॉप पर... तो SRH फिसड्डी,

IPL के शुरुआती 3 दिनों की ऐसी रही कहानी

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2023 में सभी टीमों ने एक-एक मैच खेल लिए हैं. साल 2008 की चैम्पियन राजस्थान रॉयल्स इस वक्त टॉप पर और सनराइजर्स हैदराबाद सबसे निचले पायदान पर है. सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर की बात करें तो ऋतुराज गायकवाड़ फिलहाल नंबर-1 पर हैं, जबकि लखनऊ के मार्क वुड 5 विकेट के साथ पर्पल कैप विनर बने हुए हैं.

क्या है सिटाडेल, जिसको लेकर मचा है शोर ! जानें कब और कैसे देख सकेंगे प्रियंका चोपड़ा की सीरीज

प्रियंका चोपड़ा मुंबई में हैं। वह अपनी वेब सीरीज सिटाडेल को प्रमोट करने आई हैं। सीरीज में उनके को-स्टार रिचर्ड मैडेन भी मुंबई पहुंच चुके हैं। जाहिर तौर पर आपकी दिलचस्पी भी यह जानने में होगी कि आखिर ये सिटाडेल है क्या, इसकी कहानी क्या है और यह कब रिलीज होगी। आपके हर सवाल का जवाब यहां है।

प्रियंका चोपड़ा के बाद अब रिचर्ड मैडेन भी सिटाडेल वेब सीरीज के प्रीमियर के लिए मुंबई पहुंच चुके हैं। इसी महीने अमेजन प्राइम वीडियो पर यह सीरीज स्ट्रीम होने वाली है। शो में प्रियंका और रिचर्ड दोनों जासूस एजेंट की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक ग्लोबल स्पाई एजेंसी सिटाडेल के लिए काम करते हैं। इस साइंटिफिक-फिक्शन जासूसी सीरीज की चर्चा जोर-शोर से हो रही है। कैप्टन अमेरिका और एवेंजर्स के डायरेक्टर जो और एंथनी रूसो यानी रूसो ब्रदर्स अपनी इस सीरीज को जेम्स बॉन्ड के टक्कर की बता रहे हैं। सीरीज के ट्रेलर को भी भी बहुत अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। लेकिन इसी के साथ हर किसी की दिलचस्पी यह जानने में भी है कि आखरि सीरीज की कहानी क्या है, और सिटाडेल है क्या? तो आइए इसके बारे में सबकुछ जानते हैं।

सिटाडेल एक स्वतंत्र खुफिया जासूसी एजेंसी है, जो किसी खास देश के लिए काम नहीं करती। यह एजेंसी धरती पर किसी भी देश के लोगों की सुरक्षा को समर्पित है। सीरीज की कहानी जहां से शुरू होगी, उससे आठ साल पहले एक शक्तिशाली सिंडिकेट मोनिकोर ने सिटाडेल को खत्म कर दिया। जब सिटाडेल को खत्म किया गया, तब इसके दो एजेंट्स के दिमाग को पूरी तरह से वाइप कर दिया गया। यानी वह सबकुछ भूल गए और एक नई पहचान के साथ जीने लगे। लेकिन इनमें से एक मेसन केन को सिटाडेल का एक पुराना सहयोगी मिलता है। दोनों मोनिकोर को रोकने में जुट जाते हैं, जो अब पूरी दुनिया को कंट्रोल करना चाहता है। इस मिशन में मेसन सिटाडेल की ही एक अन्य ऑपरेटिव नादिया से मिलता है और दोनों साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाते हैं।

अजय देवगन की हाईएस्ट ओपनिंग वीकेंड मूवीज की लिस्ट में भोला की एंट्री, टॉप-10 में मिली ये पोजीशन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्मों का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। उनकी फिल्म भोला इन दिनों सिनेमाघरों में लगी है और ठीक कमाई कर रही है। अजय देवगन की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहला वीकेंड पूरा कर लिया है। अजय देवगन की टॉप-10 ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन वाली मूवीज की लिस्ट में फिल्म भोला शामिल हो गई है। आइए जानते हैं कि अजय देवगन की इन फिल्मों की लिस्ट में फिल्म भोला को नौवां स्थान मिला है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वायदा निभाया- नसरूल्लागंज का नाम हुआ भैरूंदा

मुख्यमंत्री श्री चौहान भैरुंदा के गौरव दिवस में हुए शामिल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आज नसरूल्लागंज का नाम बदल कर भैरूंदा कर दिया गया है। उन्होंने पुराने नाम को ऐतिहासिक अन्याय बताते हुए कहा कि नाम परिवर्तन से हमारा वैभव फिर लौटा है। उन्होंने नगर के ऐतिहासिक बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रविवार को विशाल जन-समूह के बीच नसरूल्लागंज का नामकरण भैरूंदा करने का उदघोष नगर के गौरव दिवस पर किया। उन्होंने सिंगल क्लिक से नसरुल्लागंज का नाम बदलकर भेरूंदा करने के साथ ही गजट नोटिफिकेशन सांसद श्री रमाकांत भार्गव और अध्यक्ष नगर परिषद श्री मारुति शिशिर को सौंपा। नागरिकों ने वर्षों पुरानी मांग पूर्ण होने और फिर से वैभव लौटाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार माना। हजारों की संख्या में उपस्थित नागरिकों का उत्साह देखते ही बनता था। इस अवसर पर आतिशबाजी भी की गई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गौरव दिवस पर नगर को 80 करोड़ 94 लाख से अधिक राशि के अनेक निर्माण एवं विकास कार्यों की सौगात दी। इन कार्यों में 76 करोड़ 25 लाख 51 हजार रूपए की लागत के 16 निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन तथा 4 करोड़ 68 लाख 50 हजार रूपए के दो निर्माण कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भैरूंदा नगर के विकास के लिये 100 करोड़ रूपये देने की घोषणा भी की।

भैरूंदा को 80 करोड़ से अधिक के निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण/भूमिपूजन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज पूरे क्षेत्र में सिंचाई, सड़क, बिजली, शिक्षा आदि के अनगिनत कार्य हुए है। भैरूंदा से अब 350 करोड़ रूपये की लागत से नेशनल हाइ-वे बनाया जायेगा, जो खातेगांव, बडनगर और इटारसी को भी जोड़ेगा। उन्होंने भैरूंदा के दो दर्जन से अधिक गाँव को सीप अंबर लिफ्ट एरिगेशन योजना से जोड़ने की घोषणा की। साथ ही करीब एक दर्जन गाँव में बेराज निर्माण की मंजूरी भी दी।

भैरूंदा नगर विकास के लिए 100 करोड़ रूपये की घोषणा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाड़ली बहना योजना को अपने कार्यकाल की सर्वाधिक अच्छी योजना निरूपित करते हुए कहा कि यह योजना गरीब परिवार में खुशहाली के साथ ही बहनों के सशक्तिकरण, मान-सम्मान बढ़ाने और आत्म-निर्भर बनाने की योजना है। उन्होंने सभी पात्र बहिनों से शिविर में बिना कुछ दिए आवेदन करने का आहवान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सी.एम. राइज स्कूल गाँव के गरीब परिवार के बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का माध्यम बनेंगे। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना में बेटियों की शिक्षा का खर्च राज्य सरकार उठा रही है। प्रदेश में अब मेडिकल और इंजीनियरिंग की शिक्षा अब हिंदी भाषी बच्चे भी कर सकेंगे और अपना भविष्य सवांर सकेंगे। उन्होंने भैरूंदा में स्किल पार्क बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरियों में भर्ती, स्व-रोजगार योजनाओं से रोजगार देने के साथ ही अब मुख्यमंत्री युवा कौशल कमाई योजना भी जून से लागू की जायेगी। योजना में काम सीख रहे युवाओं को 8 हजार रूपए भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में शराब को हतोत्साहित करने के लिये सभी अहाते बंद कर दिये गये हैं। इस दिशा में समाज को भी सकारात्मक रूख अपनाना होगा। सांसद श्री रमाकांत भार्गव ने भैरूंदा का वैभव लौटाने के लिये मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। गौरव दिवस पर 40 से अधिक विभागीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई गई। मुख्यमंत्री ने नगर की विभूतियों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में स्थानीय जन-प्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

अंतर्रात्मा से करें लाड़ली बहना योजना का मिशन मोड में क्रियान्वयन- मुख्यमंत्री श्री चौहान

महिलाओं की जिन्दगी बदलने का है यह मिशन

मुख्यमंत्री ने ग्राम सभा के सदस्यों से की अपील, कलेक्टर्स को दिए दिशा-निर्देश

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाड़ली बहना योजना साधारण कार्य नहीं है। यह महिलाओं की जिन्दगी बदलने का मिशन है। गरीब, निम्न मध्यमवर्गीय, मजदूर, किसान परिवार की महिलाओं के जीवन की रोजमर्रा की परेशानियों को कम करने, उनका आत्म-विश्वास बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सबल बनाने के लिए शुरू की जा रही इस योजना के क्रियान्वयन में सभी जन-प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारी-कर्मचारी मिशन मोड में अंतर्रात्मा से जुड़ें। योजना का प्रचार-प्रसार हर गाँव और वार्ड तक सुनिश्चित किया जाए। योजना में आवेदन के लिए बहनों की हरसंभव सहायता की जाए। माँ-बहनों के लिए आरंभ की गई यह योजना परिवारों के लिए लाभकारी और समाज के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगी। लाड़ली लक्ष्मी योजना की तरह ही लाड़ली बहना योजना केवल प्रदेश में ही नहीं देश में भी लोकप्रिय होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान योजना के बारे में प्रदेश की सभी ग्राम सभाओं के सदस्यों के साथ निवास कार्यालय से वर्चुअली संवाद कर रहे थे।

बहनों के सबल और आत्म-निर्भर बनने से ही देश-प्रदेश और समाज सशक्त बनता है

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारा प्रदेश विकास और प्रगति के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है। विकास का प्रकाश हर गाँव तक पहुँचा है। गाँवों के लिए बेहतर सड़क, पीने के पानी की व्यवस्था, आवास, सामुदायिक भवन, स्कूल, आँगनवाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्था से विकास का यज्ञ चल रहा है। अधो-सरंचना विकास के साथ समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए भी योजनाएँ संचालित हैं। बहनों के सबल और आत्म-निर्भर बनने से ही देश-प्रदेश और समाज सशक्त बनता है। हमारे देश में यह मान्यता रही है कि जहाँ बहन-बेटियों का सम्मान होता है वहीं भगवान निवास करते हैं। लेकिन इतिहास के बीच के कालखंड में बहन-बेटियों का मान-सम्मान कम होता चला गया। बेटों की तुलना में बेटियों का अनुपात भी गड़बड़ाया। इस स्थिति में सुधार के लिए लागू की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना के चमत्कारिक परिणाम सामने आए।

बहनों के सशक्तिकरण की कई योजनाएँ संचालित

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई फैसले लिए गए। राजनैतिक सशक्तिकरण के लिए पंचायत और नगरीय निकायों के चुनावों में महिलाओं के आरक्षण के साथ शासकीय सेवाओं में अवसर उपलब्ध कराने के लिए शिक्षक भर्ती में 50 तथा पुलिस भर्ती में 30 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। बेटियों ने भी अपनी प्रतिभा सिद्ध की। लाड़ली लक्ष्मी योजना के साथ बेटियों को पढ़ाई के लिए पुस्तकें, साईकिल और छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई गई। पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप गाँव की बेटी, प्रतिभा किरण और लाड़ली लक्ष्मी योजना में अलग-अलग अंतराल पर राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। महिलाओं का जीवन सरल बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कन्या विवाह और प्रसूति सहायता योजना भी संचालित की जा रही है।

मेरे मन में हमेशा से गरीब, मध्यमवर्गीय बहनों की स्थिति सुधारने की तड़प रही

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की अत्यंत पिछड़ी बैगा, भारिया और सहरिया जनजातियों की महिलाओं को अपनी छोटी-मोटी जरूरतों की पूर्ति तथा परिवार के पोषण पर ध्यान देने के लिए एक हजार रुपये प्रति माह उपलब्ध कराने की योजना वर्ष 2017 से आरंभ की गई थी। इससे बहनों का आत्म-विश्वास बढ़ा, उन्होंने यह राशि सकारात्मक कार्यों में खर्च की और घरों में उनका सम्मान भी बढ़ा। मेरे मन में गरीब, मध्यमवर्गीय परिवारों की बहनों की स्थिति सुधारने की तड़प हमेशा से रही है। बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति की बहनों के लिए चलाई गई योजना के प्रभाव से यह विचार आया कि कठिन परिस्थितियों में रह रही प्रदेश की सभी बहनों के लिए ऐसी योजना चलाई जाए। परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना आरंभ की गई।

बहनों से ई-केवाइसी के लिए पैसा मांगने वालों पर एफआईआर कराई जाए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम सभा के सदस्यों को लाड़ली बहना योजना की पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों और नियम प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजना का सभी वार्डों और गाँवों में प्रचार-प्रसार किया जाए। बहनों की ई-केवाइसी के लिए राज्य सरकार द्वारा राशि उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए किसी भी व्यक्ति द्वारा पैसे मांगने की जानकारी मिलने पर तत्काल एफआईआर की जाए। आवेदन केन्द्रों पर इस आशय के पोस्टर लगाए जाएँ कि ई-केवाइसी नि:शुल्क होगी, इसके लिए कोई पैसा नहीं देना है।

आवेदन संबंधी तिथियों की दी जानकारी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आवेदन से जुड़ी तिथियों की जानकारी देते हुए कहा कि 30 अप्रैल तक आवेदन ऑनलाइन भरे जाएंगे। अंतिम सूची सार्वजनिक स्थानों पर चस्पां की जाएगी। किसी को आपत्ति है तो वह पोर्टल पर अथवा पंचायत में लिखित में अथवा 181 नम्बर पर फोन कर आपत्ति

दर्ज करा सकता है। आपत्तियों का निराकरण 15 से 30 मई तक किया जाएगा और 31 मई को अंतिम सूची पोर्टल पर प्रदर्शित करने के साथ ग्राम पंचायत कार्यालयों में चस्पां की जाएगी। बहनों के खाते में 10 जून से 1000 रूपये अंतरित किये जाना शुरू कर दिये जायेंगे।

ई-केवाइसी के लिए दूसरे गाँव जाने के लिए जिला प्रशासन करेगा वाहन की व्यवस्था

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि आवेदन केन्द्रों पर बहनों के बैठने और पीने के पानी की उचित व्यवस्था की जाए। जिन गाँवों और वार्डों में नेटवर्क के कारण ई-केवाइसी की समस्या है, वहाँ बहनों को अन्य गाँव या वार्ड में ले जाकर ई-केवाइसी कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाए।

रामनवमी हादसे के बाद इंदौर में बड़ा एक्शन, बावड़ी वाले मंदिर पर भी चला बुलडोजर

ढक्कन वाला कुंआ

गडरा खेड़ी

इंदौर । शहर में रामनवमी के दिन शहर के स्नेह नगर के पटेल नगर में बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर स्थित बावड़ी धंसने की घटना के बाद बड़ा एक्शन हो रहा है। हादसे से सबक लेते हुए इंदौर नगर निगम और पुलिस ने सोमवार सुबह बड़ी कार्यवाही शुरू की। प्रशासनिक अफसरों के मुताबिक, बावड़ी को मलबे से भरा जाएगा। इसके अलावा नगर निगम ने अब तक कि सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के अन्य तीन स्थानों पर भी कार्रवाई की है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव व कमिश्नर प्रतिभा पाल के निर्देशन में कार्रवाई को अंजाम दिया। ये कार्रवाई स्नेह नगर गार्डन, जहां हादसा हुआ था। दूसरी कार्रवाई ढक्कन वाला कुआं, तीसरी कार्रवाई सुखलिया ओर चौथी कार्रवाई गडरा खेड़ी में चल रही है। इंदौर 15वीं बटालियन के पास गडरा खेड़ी में फुटपाथ के नीचे दबे हुए कुएं को नगर निगम द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसके ऊपर फुटपाथ बना था और खाटू श्याम मंदिर की दीवार बनी थी और टीनशेड का निर्माण कर दुकान बनी हुई थी।

पुलिस आयुक्त के रजिस्टर से अमले में घबराहट

इन्दौर । नवागत पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर ने आते ही अमले की नब्ज पर हाथ रख दिया। आयुक्त ने सर्वप्रथम उस धांधली को पकड़ा जो वर्षों से चली आ रही थी। मातहत अब उनके रजिस्टर की जानकारी निकालने में लगे हुए हैं। भोपाल से इंदौर आए देउस्कर यह तो समझ गए कि थानों और वरिष्ठ कार्यालयों पर मनमर्जी चल रही है। कार्यभार संभालने के दूसरे दिन देउस्कर के दफ्तर में आवेदकों की भीड़ लग गई। दिनभर सुनवाई करने के बाद भी कतार समाप्त न होने पर आयुक्त चौंके और सच्चाई जानने में जुट गए। दूसरे दिन रजिस्टर बनाया जिसमें आवेदन और आवेदकों की एंट्री तो की साथ में यह भी लिखा कि पूर्व में किस-किस अफसर को आवेदन दिया गया था। आयुक्त अब उन लोगों से जवाब तलब करने की तैयारी में हैं जिन्होंने आवेदन लिए और रद्दी की टोकरी में डाल दिए। कम समय में ऐसे अफसरों को भी चिह्नित कर लिया जो सिर्फ टाइम पास कर रहे हैं।

जलजमाव, गंदगी और बदहाल सड़कें हैं वार्ड की पहचान

इंदौर महाराजा होलकर वार्ड के नाम से पहचाने जाने वाले वार्ड 67 में छोटी और तंग बस्तियां शामिल हैं तो बियाबानी जैसा व्यावसायिक क्षेत्र भी इसी में आता है। वार्ड की जनसंख्या 24 हजार के लगभग है। 19 हजार 700 मतदाताओं वाले इस वार्ड में सघन बस्तियों की भरमार है। इस वार्ड में छत्रीपुरा, प्रेमकुमारी अस्पताल, चांदमारी कंपाउंड, कंजर मोहल्ला, छत्रीबाग, महूनाका, जोशी मोहल्ला, बाराभाई, सेठी नगर, लोधा कालोनी, राजस्व ग्राम, जवाहर नगर, जमना नगर झोपड़ पट्टी, अर्जुनपुरा मल्टी, झोपड़ पट्टी, बालदा कालोनी सहित 25 से ज्यादा छोटी-बड़ी बस्तियां शामिल हैं। कोई बड़ा धार्मिक स्थल तो नहीं है लेकिन सड़क किनारे छोटे-छोटे कई धार्मिक स्थल बने हैं। वार्ड में आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो है, लेकिन कोई बड़ा अस्पताल नहीं है। वार्ड की ज्यादातर बस्तियों में जलजमाव और गंदगी की समस्या है। रहवासी कई बार शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन कुछ नहीं होता।

पिछले छह वर्षों से स्वच्छता में सिरमौर इंदौर का महाराजा होलकर वार्ड में हालत बिलकुल उलट हैं। वार्ड की लगभग सभी बस्तियों में गंदगी और कचरे का अंबार है। कई जगह तो हालत इतने खराब हैं कि आप मुंह पर कपड़ा रखे बगैर वहां से निकल भी नहीं सकते। सेठी नगर, बालदा कालोनी, बाराभाई में तो हालत तो यह है कि पहली नजर में भरोसा ही नहीं होता कि हम देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में हैं। गलियां गंदगी से अटी पड़ी हैं। मच्छरों का प्रकोप जोरों पर है। इसके चलते लोग बीमार पड़ रहे हैं। लापरवाही का आलम यह है कि शिकायत के बावजूद निगमकर्मी सफाई के लिए नहीं पहुंचते। पूरे वार्ड में जलजमाव की गंभीर समस्या है। थोड़ी सी वर्षा होते ही पूरा वार्ड टापू का रूप ले लेता है। यहां से गुजरने वाले नाला थोड़ी सी वर्षा में भी उफान पर आ जाता है। नाले का पानी लोगों के घरों तक पहुंच जाता है। गलियों में कचरे का ढेर पड़ा रहता है।

फुटपाथ पर हैं कब्जे, पैदल निकलना भी मुश्किल

इस वार्ड की गलियां ही नहीं मुख्य मार्ग पर भी गंदगी की समस्या है। गलियां बहुत ही संकरी हैं। इसके बावजूद इनमें अतिक्रमण है। मुख्य मार्ग पर तो कई जगह दुकानदारों ने 10-12 फीट आगे तक अतिक्रमण कर लिया है। हालत यह है कि पैदल निकलना तक मुश्किल है। जोशी मोहल्ला में तो नगर निगम के नलकूप का पानी हमेशा बहता रहता है। रहवासियों का कहना है कि वे इस बारे में कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कुछ नहीं हुआ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)